राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक: 06] पन्द्रहवीं विधान सभा के छठे सत्र का दौ सौ बारहवां दिवस [संख्या: 21

गुरुवार,

09 सितम्बर 2021

(राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे
राजस्थान विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई)

(श्री सी.पी. जोशी, अध्यक्ष, पदासीन)

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्।
शस्य श्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।
शुभ्र ज्योत्स्नाम् पुलकित यामिनीम्।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्।
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्।
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।

श्री अध्यक्ष: सदन की मेज पर रखे जाने वाले पत्रादि। सैक्रेटरी।

सदन पटल पर रखे गये पत्र

सचिव, राजस्थान विधान सभा: अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विधान सभा के इस सत्र में पारित उन विधेयकों का विवरण सदन की मेज पर रखता हूं, जिन पर राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है:-

राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक

1. राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2021
2. राजस्थान विनियोग (संख्या-2) विधेयक, 2021
3. राजस्थान वित्त विधेयक, 2021
4. राजस्थान नगरपालिका (संशोधन) विधेयक, 2021
5. राजस्थान विधियां (संशोधन) विधेयक, 2021

श्री अध्यक्ष: राज्यपाल महोदय से प्राप्त संदेश।

संदेश

राज्यपाल महोदय से प्राप्त संदेश

(राजस्थान अधिवक्ता कल्याण विधि (संशोधन) विधेयक, 2020 के सम्बन्ध में

भारत के संविधान के अनुच्छेद 200 के प्रथम परन्तुक के अनुसरण में विधान सभा द्वारा पारित राजस्थान अधिवक्ता कल्याण निधि (संशोधन) विधेयक, 2020 (2020 का विधेयक संख्या-8) पर माननीय राज्यपाल महोदय से निम्न संदेश प्राप्त हुआ है:-

"WHEREAS, I have gone through the provisions of the Rajasthan Advocates Welfare Fund (Amendment) Bill, 2020 (Bill No. 8 of 2020) as passed by the Rajasthan Legislative Assembly on March 7, 2020 and submitted on March 24, 2020 to me for my Assent.

WHEREAS, a number of representations have been received from the Chairman of the Bar Council of Rajasthan, and various District Bar Associations objecting that the Bar Council had proposed increases in lifetime subscription amount from Rs. 1,7500/- to Rs. 30,000/- and value of stamp fees from Rs. 25/- to Rs. 50/- but the State Government has raised the lifetime subscription fees and value of stamp fees contrary to the proposals of the Bar Council and such increase in the amount of lifetime subscription fee of Rs. 1,00,000/- would be impossible for the new comers in the profession of advocacy to pay and further, increase in the value of the stamp would be a financial burden on the litigant and render access to justice expensive and thus in pursuance whereof, the file was returned to communicate the decision taken on these representations by the State Government. It has been apprised that the issue raised in these representations can be reconsidered in the House only, if the bill is returned for reconsideration under the first proviso of Article 200 of the Constitution of India and rule 94 of the Rajasthan Legislative Assembly conduct of business rules.

(श्री अध्यक्ष)

NOW, THEREFORE, I, Kalraj Mishra, Governor of Rajasthan, in pursuance of Article 200 and proviso thereof, of the Constitution of India, return the Bill to the Rajasthan Legislative Assembly for reconsideration."

विधायी कार्य। पुर:स्थापित किये जाने वाले विधेयक। राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2021.

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा।

विधायी कार्य: विधेयक का पुर:स्थापन

राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2021

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (राज्य मंत्री, शिक्षा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री।

श्री गोविन्द सिंह डोटासरा (राज्य मंत्री, शिक्षा): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान पर्यटन व्यवसाय (सुकरकरण और विनियमन) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2021.

श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2021

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान

(श्री शान्ती कुमार धारीवाल)

माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान माल और सेवा कर (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान विधियां (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2021.

श्री शान्ती कुमार धारीवाल।

राजस्थान विधियां (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2021

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विधियां (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान विधियां (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री।

श्री शान्ती कुमार धारीवाल (स्वायत्त शासन, नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान विधियां (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करता हूं।

श्री अध्यक्ष: राजस्थान राज्य पथ परिवहन सेवा (बिना टिकट यात्रा-निवारण) (संशोधन) विधेयक, 2021.

श्री प्रताप सिंह खाचरियावास।

राजस्थान राज्य पथ परिवहन सेवा (बिना टिकट यात्रा-निवारण) (संशोधन) विधेयक, 2021

श्री प्रताप सिंह खाचरियावास (परिवहन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन सेवा (बिना टिकट यात्रा-निवारण) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा के लिए प्रस्ताव करता हूं।

श्री अध्यक्ष: प्रश्न यह है कि राजस्थान राज्य पथ परिवहन सेवा (बिना टिकट यात्रा-निवारण) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की जाए?

(स्वीकृत)

विधेयक को पुर:स्थापित करने की आज्ञा प्रदान की गई।

प्रभारी मंत्री।

श्री प्रताप सिंह खाचरियावास (परिवहन मंत्री): माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से राजस्थान राज्य पथ परिवहन सेवा (बिना टिकट यात्रा-निवारण) (संशोधन) विधेयक, 2021 को पुर:स्थापित करता हूं।

शोकाभिव्यक्ति एवं श्रद्धांजलि

श्री अध्यक्ष: माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर मैं गत दिनों दिवंगत राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री कल्याण सिंह; हरियाणा एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल तथा राजस्थान के पूर्व मुख्य मंत्री श्री जगन्नाथ पहाड़िया; केरल एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल श्री रघुनंदन लाल भाटिया; जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व राज्यपाल श्री जगमोहन; हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह; असम के पूर्व मुख्य मंत्री श्री भूमिधर बर्मन; पूर्व सांसद श्री रासासिंह रावत, श्रीमती शान्ति पहाड़िया, श्री पारसाराम मेघवाल, श्री हेमेन्द्र सिंह बनेड़ा, श्री जयनारायण एवं श्री दीनबंधु परमार; इस सदन के सदस्य श्री गोतमलाल तथा पूर्व सदस्य श्री गोपाल कृष्ण, श्री जीतमल खांट, श्री राईया मीणा, श्री शिवजीराम मीणा, श्री चुन्नी लाल धाकड़, श्री कालूराम यादव, श्री जनार्दन गहलोत, श्री मांगीलाल मेघवाल, श्री नारायण लाल मीणा, श्री महाराम चौधरी, श्री सैयद मोहम्मद अयाज महाराज एवं श्री कल्याणमल के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं।

(श्री अध्यक्ष)

कल्याण सिंह, श्री, पूर्व राज्यपाल (राजस्थान) एवं पूर्व मुख्य मंत्री (उत्तर प्रदेश)

राजस्थान के पूर्व राज्यपाल एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री कल्याण सिंह का जन्म 05 जनवरी, 1932 को उत्तर प्रदेश के मढ़ौली में हुआ। आपने बी.ए. तथा एल.टी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री कल्याण सिंह वर्ष 1967 से 1980 व 1985 से 2004 तक दस बार उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। आप जून, 1991 से दिसम्बर, 1992 तथा सितम्बर, 1997 से नवम्बर, 1999 तक उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे। जन कल्याण के लिए समर्पित रहे श्री कल्याण सिंह ने अपने मुख्य मंत्री के कार्यकाल के दौरान उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिये। विधान सभा की विभिन्न समितियों के सदस्य रहे श्री कल्याण सिंह उत्तर प्रदेश विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता भी रहे।

श्री कल्याण सिंह चौदहवीं तथा पन्द्रहवीं लोक सभा के सदस्य रहे। इस दौरान आप सामान्य प्रयोजन समिति के सदस्य तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज समिति के सभापति रहे।

कुशल प्रशासक और दीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले श्री कल्याण सिंह सितम्बर, 2014 में राजस्थान के राज्यपाल के पद पर आसीन हुए तथा सितम्बर, 2019 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान आपके पास जनवरी, 2015 से अगस्त, 2015 तक हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार रहा। सरल व्यक्तित्व के धनी श्री कल्याण सिंह ने राजभवन में आम जनता की पहुंच सुनिश्चित करने का प्रयास किया तथा कई परम्पराओं को बदला।

दलित एवं पिछड़ों के उत्थान के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहे श्री कल्याण सिंह अनेक सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध रहे।

श्री कल्याण सिंह का दिनांक 21 अगस्त, 2021 को निधन हो गया।

जगन्नाथ पहाड़िया, श्री, पूर्व मुख्य मंत्री (राजस्थान) एवं पूर्व राज्यपाल (हरियाणा एवं बिहार)

हरियाणा एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल तथा राजस्थान के पूर्व मुख्य मंत्री श्री जगन्नाथ पहाड़िया का जन्म 15 जनवरी, 1932 को भरतपुर जिले के भुसावर में हुआ। आपने एमए. तथा एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

(श्री अध्यक्ष)

श्री जगन्नाथ पहाड़िया सातवीं, आठवीं, नौवीं तथा बारहवीं राजस्थान विधान सभा में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायक रहे। आप सातवीं, आठवीं तथा बारहवीं विधान सभा में वैर निर्वाचन क्षेत्र तथा नौवीं विधान सभा में कठूमर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनेक समितियों के सदस्य तथा सभापति रहे। श्री पहाड़िया जून, 1980 से जुलाई, 1981 तक राजस्थान के मुख्य मंत्री भी रहे।

दूसरी, चौथी, पांचवीं तथा सातवीं लोक सभा के सदस्य रहे श्री पहाड़िया राज्य सभा के सदस्य भी रहे। आप भारत सरकार में वित्त मंत्रालय के उप मंत्री तथा राज्य मंत्री भी रहे।

सुदीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले श्री पहाड़िया मार्च, 1989 से फरवरी, 1990 तक बिहार तथा जुलाई, 2009 से जुलाई, 2014 तक हरियाणा के राज्यपाल के पद पर आसीन रहे।

पिछड़े वर्ग के उत्थान एवं सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन के लिये समर्पित रहे श्री पहाड़िया अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े रहे। आप राजस्थान खादी बोर्ड के सदस्य भी रहे।

श्री जगन्नाथ पहाडि़या का दिनांक 19 मई, 2021 को निधन हो गया।

रघुनन्दन लाल भाटिया, श्री, पूर्व राज्यपाल (केरल एवं बिहार)

केरल एवं बिहार के पूर्व राज्यपाल श्री रघुनन्दन लाल भाटिया का जन्म 03 जुलाई, 1921 को पंजाब के अमृतसर में हुआ। आपने बी.ए. एवं एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री रघुनन्दन लाल भाटिया छह बार लोक सभा के सदस्य रहे। लोक सभा के कार्यकाल के दौरान आप विदेश मामलात समिति, विशेषाधिकार समिति एवं राजकीय उपक्रम समिति के सदस्य रहे। आप याचिका समिति के सभापति भी रहे। श्री भाटिया वर्ष 1992 से 1996 तक केन्द्रीय सरकार में विदेश मामलात मंत्रालय के राज्य मंत्री रहे।

दीर्घ संसदीय अनुभव रखने वाले श्री भाटिया जून, 2004 से जुलाई, 2008 तक केरल तथा जुलाई, 2008 से जून, 2009 तक बिहार के राज्यपाल के पद पर आसीन रहे।

(श्री अध्यक्ष)

श्री भाटिया नेशनल शिपिंग बोर्ड के अध्यक्ष तथा कस्तूरबा मैमोरियल ट्रस्ट एवं जलियांवाला बाग प्रबन्धन समिति के संरक्षक रहे।

श्री रघुनन्दन लाल भाटिया का दिनांक 15 मई, 2021 को निधन हो गया।

जगमोहन, श्री, पूर्व राज्यपाल (जम्मू एवं कश्मीर)

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व राज्यपाल श्री जगमोहन का जन्म 25 सितम्बर, 1927 को वर्तमान पाकिस्तान के हफीजाबाद में हुआ। आपने एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री जगमोहन वर्ष 1990 से 1996 तक राज्य सभा के मनोनीत सदस्य रहे। इस दौरान आप विशेषाधिकार समिति तथा शहरी एवं ग्रामीण विकास समिति के सदस्य रहे। आप तीन बार लोक सभा के सदस्य भी रहे। श्री जगमोहन केन्द्रीय सरकार में संचार, शहरी विकास, पर्यटन एवं संस्कृति इत्यादि मंत्रालयों के मंत्री भी रहे।

कुशल प्रशासक रहे श्री जगमोहन दो बार दिल्ली के तथा एक बार गोवा, दमन एवं दीव के उप राज्यपाल रहे। आप दो बार जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल भी रहे।

लेखन में रूचि रखने वाले श्री जगमोहन की 'आईलैण्ड आफ ट्रुथ', 'द चैलेंज आफ आवर सिटीज' तथा 'माई फ्रोजन टर्बुलेंस इन कश्मीर' सहित अन्य पुस्तकें प्रकाशित हुईं।

श्री जगमोहन को उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिये वर्ष 1971 में 'पद्मश्री', वर्ष 1977 में 'पद्म भूषण' तथा वर्ष 2016 में 'पद्म विभूषण' सहित अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

श्री जगमोहन का दिनांक 03 मई, 2021 को निधन हो गया।

वीरभद्र सिंह, श्री, पूर्व मुख्य मंत्री (हिमाचल प्रदेश)

हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री वीरभद्र सिंह का जन्म 23 जून, 1934 को हिमाचल प्रदेश के साराहन में हुआ। आपने एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री वीरभद्र सिंह वर्ष 1962 से 2007 तक नौ बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इस दौरान आप राज्य सरकार में उप मंत्री एवं राज्य मंत्री रहे। कुशल प्रशासक रहे श्री सिंह छह बार हिमाचल प्रदेश

(श्री अध्यक्ष)

के मुख्य मंत्री रहे। लोकप्रिय नेता रहे श्री सिंह का हिमाचल प्रदेश के चहुंमुखी विकास में प्रमुख योगदान रहा। आप हिमाचल प्रदेश विधान सभा में प्रतिपक्ष के नेता भी रहे।

दीर्घ संसदीय अनुभव वाले श्री सिंह पांच बार लोक सभा के सदस्य रहे। केन्द्र सरकार में उप मंत्री तथा राज्य मंत्री रहे श्री सिंह इस्पात, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय के मंत्री भी रहे।

श्री वीरभद्र सिंह अनेक खेल, सामाजिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं से जुड़े रहे। बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी श्री सिंह को अनेक पुरस्कार एवं सम्मान प्राप्त हुए।

श्री वीरभद्र सिंह का दिनांक 08 जुलाई, 2021 को निधन हो गया।

भूमिधर बर्मन, श्री, पूर्व मुख्य मंत्री (असम)

असम के पूर्व मुख्य मंत्री श्री भूमिधर बर्मन का जन्म 12 अक्टूबर, 1931 को हुआ। आपने असम मेडिकल कालेज से एम.बी.बी.एस. की उपाधि प्राप्त की।

श्री भूमिधर बर्मन लगभग तीन दशकों से अधिक समय तक असम विधान सभा के सदस्य रहे। इस दौरान आपने विधान सभा की विभिन्न समितियों के प्रभावी कार्यकरण में अपना योगदान दिया। असम सरकार में विभिन्न विभागों के मंत्री रहे श्री बर्मन अप्रैल, 1996 से मई, 1996 तक असम के मुख्य मंत्री भी रहे।

श्री भूमिधर बर्मन का दिनांक 18 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

रासासिंह रावत, श्री, पूर्व सांसद

श्री रासासिंह रावत का जन्म 01 अक्टूबर, 1941 को राजसमन्द जिले के डूंगाजी का गांव में हुआ। आपने एम.ए., एलएल.बी., बी.एड. तथा विद्या वाचस्पति की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री रासासिंह रावत पांच बार लोक सभा के सदस्य रहे। लोक सभा के कार्यकाल के दौरान आप श्रम एवं कल्याण समिति, संचार समिति, प्राक्कलन समिति, पुस्तकालय समिति, रक्षा समिति, गृह समिति एवं अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति सहित अन्य समितियों के सदस्य रहे। आप लोक सभा में विभिन्न सलाहकार समितियों के सदस्य भी रहे।

(श्री अध्यक्ष)

भारतीय जनता पार्टी से सम्बद्ध रहे श्री रावत ने पार्टी के विभिन्न पदों के उत्तरदायित्वों का निर्वहन किया। अध्ययन में रूचि रखने वाले श्री रावत की 'नैतिक', 'राष्ट्रीय धार्मिक भजन एवं गीत संग्रह' एवं 'आर्य समाज, अजमेर का इतिहास' विषयक पुस्तकें प्रकाशित हुईं। श्री रावत अनेक सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध रहे।

श्री रासासिंह रावत का दिनांक 10 मई, 2021 को निधन हो गया।

शान्ति पहाड़िया, श्रीमती, पूर्व सांसद एवं पूर्व सदस्या

पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक श्रीमती शान्ति पहाड़िया का जन्म 01 अगस्त, 1936 को दौसा जिले के रसीदपुर ग्राम में हुआ। आपने प्रवेशिका तक शिक्षा प्राप्त की।

श्रीमती शान्ति पहाड़िया सातवीं तथा ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा में वैर निर्वाचन क्षेत्र से इण्डियन नेशनल कांग्रेस की विधायक रहीं। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति तथा महिलाओं एवं बालकों के कल्याण सम्बन्धी समिति की सदस्य रहीं।

श्रीमती पहाड़िया वर्ष 1984 से 1990 तक राज्य सभा की सदस्य भी रहीं।

उपभोक्ता अधिकारों के प्रति सजग रहीं श्रीमती पहाड़िया राष्ट्रीय उपभोक्ता संगठन की सदस्य रहीं। आप राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड की संचालक भी रहीं।

श्रीमती शान्ति पहाड़िया का दिनांक 23 मई, 2021 को निधन हो गया।

पारसाराम मेघवाल, श्री, पूर्व सांसद

पूर्व सांसद श्री पारसाराम मेघवाल का जन्म 12 दिसम्बर, 1954 को जालौर जिले के मडगांव में हुआ। आपने मिडल तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री पारसाराम मेघवाल ग्यारहवीं लोक सभा में जालौर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस(आई) के सांसद निर्वाचित हुए। लोक सभा में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिये सदैव प्रयत्नशील रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री मेघवाल पंचायत समिति जालौर के सम्बद्ध सदस्य, ग्राम पंचायत मडगांव के उप सरपंच तथा जिला परिषद्, जालौर के सदस्य एवं उप जिला प्रमुख रहे।

(श्री अध्यक्ष)

श्री पारसाराम मेघवाल का दिनांक 21 जुलाई, 2021 को निधन हो गया।

हेमेन्द्र सिंह बनेड़ा, श्री, पूर्व सांसद

पूर्व सांसद श्री हेमेन्द्र सिंह बनेड़ा का जन्म 18 जनवरी, 1946 को उदयपुर में हुआ। आपने अधिस्नातक तक की शिक्षा प्राप्त की।

श्री हेमेन्द्र सिंह बनेड़ा पांचवीं तथा नौवीं लोक सभा के सदस्य रहे। लोक सभा के कार्यकाल के दौरान आप प्राक्कलन समिति तथा जहाजरानी, यातायात एवं नागरिक उड्डयन मामलों की सलाहकार समिति के सदस्य रहे।

आप राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स के सदस्य रहे। आप पशु कल्याण बोर्ड के सदस्य भी रहे।

श्री हेमेन्द्र सिंह बनेड़ा का दिनांक 31 मई, 2021 को निधन हो गया।

जयनारायण, श्री, पूर्व सांसद एवं पूर्व सदस्य

पूर्व सांसद एवं पूर्व सदस्य श्री जयनारायण का जन्म 23 अगस्त, 1934 को डूंगरपुर जिले के सुराता ग्राम में हुआ। आपने एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री जयनारायण चौथी एवं पांचवीं राजस्थान विधान सभा में लसाड़िया निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप राजकीय उपक्रम समिति, अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति, जन लेखा समिति एवं अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति के सदस्य रहे। आप कांग्रेस विधायक दल के सचेतक भी रहे।

श्री जयनारायण सातवीं लोक सभा में भी सदस्य रहे। आप राजस्थान वन श्रमिक सहकारी संघ के 25 वर्षों तक चेयरमैन रहे।

श्री जयनारायण का दिनांक 05 मई, 2021 को निधन हो गया।

दीनबन्धु परमार, श्री, पूर्व सांसद एवं पूर्व सदस्य

पूर्व सांसद एवं पूर्व विधायक श्री दीनबन्धु परमार का जन्म 25 मार्च, 1925 को डूंगरपुर जिले के कोलखांडा ग्राम में हुआ। आपने हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग से विशारद् की उपाधि प्राप्त की।

श्री दीनबन्धु परमार पहली राजस्थान विधान सभा में सायरा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे। आप दूसरी लोक सभा में उदयपुर निर्वाचन

(श्री अध्यक्ष)

क्षेत्र से कांग्रेस के सांसद भी रहे। विधान सभा तथा लोक सभा में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिये सदैव प्रयत्नशील रहे।

समाज सेवा में रुचि रखने वाले श्री परमार अखिल भारतीय आदिम जाति संघ तथा इसकी कार्यकारिणी समिति के सदस्य रहे। आप जनजाति सलाहकार परिषद् के सदस्य भी रहे।

श्री दीनबन्धु परमार का दिनांक 09 जून, 2021 को निधन हो गया।

गोतमलाल, श्री, सदस्य

इस सदन के सदस्य श्री गोतमलाल का जन्म 22 जुलाई, 1965 को उदयपुर जिले के लसाड़िया ग्राम में हुआ। आपने प्राथमिक तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री गोतमलाल बारहवीं, चौदहवीं तथा पन्द्रहवीं राजस्थान विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। आप बारहवीं विधान सभा में लसाड़िया तथा चौदहवीं एवं पन्द्रहवीं विधान सभा में धरियावद निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति, याचिका समिति एवं नियम समिति के सदस्य रहे। सरल व्यक्तित्व के धनी श्री गोतमलाल विधान सभा की कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लेते थे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री गोतमलाल धरियावद पंचायत समिति के प्रधान रहे। इस दौरान उत्कृष्ट कार्यों के लिये आपको पुरस्कृत भी किया गया। आप गृह विभाग तथा वनाधिकार से सम्बन्धित सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे। भारतीय जनता पार्टी से सम्बद्ध रहे श्री गोतमलाल ने पार्टी के विभिन्न पदों पर कार्य किया।

श्री गोतमलाल का दिनांक 19 मई, 2021 को निधन हो गया।

गोपाल कृष्ण, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री गोपाल कृष्ण का जन्म 14 नवम्बर, 1936 को बीकानेर में हुआ। आपने एम.ए. तथा पीएच.डी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री गोपाल कृष्ण पांचवीं राजस्थान विधान सभा में बीकानेर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के तथा तेरहवीं एवं चौदहवीं विधान सभा में बीकानेर पश्चिम निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के

(श्री अध्यक्ष)

कार्यकाल के दौरान आप राजकीय उपक्रम समिति, प्राक्कलन समिति 'क' एवं प्राक्कलन समिति 'ख' के सदस्य रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री गोपाल कृष्ण वर्ष 1970 में नगर परिषद्, बीकानेर के सभापति रहे।

श्री गोपाल कृष्ण का दिनांक 28 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

जीतमल खांट, श्री, पूर्व राज्य मंत्री

पूर्व सदस्य श्री जीतमल खांट का जन्म 01 जनवरी, 1963 को बांसवाड़ा जिले के थाली तलाई ग्राम में हुआ। आपने एमए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री जीतमल खांट ग्यारहवीं, बारहवीं तथा चौदहवीं राजस्थान विधान सभा में विधायक रहे। आप ग्यारहवीं एवं बारहवीं विधान सभा में बागीदौरा निर्वाचन क्षेत्र तथा चौदहवीं विधान सभा में गढ़ी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। श्री खांट ग्यारहवीं विधान सभा में जनता दल, बारहवीं विधान सभा में जनता दल (यूनाइटेड) तथा चौदहवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। आप वर्ष 2014 से 2016 तक सामान्य प्रशासन, सम्पदा, मुद्रण एवं लेखन सामग्री विभाग के राज्य मंत्री रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप विशेषाधिकार समिति तथा अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य रहे।

सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले श्री खांट ग्राम पंचायत नवाधरा के सरपंच रहे। आप पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य भी रहे।

श्री जीतमल खांट का दिनांक 24 मई, 2021 को निधन हो गया।

राईया मीणा, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री राईया मीणा का जन्म सितम्बर, 1948 में डूंगरपुर जिले के रीछा (आसपुर) ग्राम में हुआ। आपने मिडल तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री राईया मीणा ग्यारहवीं, बारहवीं एवं तेरहवीं राजस्थान विधान सभा में आसपुर निर्वाचन क्षेत्र से इण्डियन नेशनल कांग्रेस के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप गृह समिति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री मीणा ग्राम पंचायत, रीछा के सरपंच तथा पंचायत समिति, आसपुर के प्रधान रहे।

श्री राईया मीणा का दिनांक 19 मई, 2021 को निधन हो गया।

(श्री अध्यक्ष)

शिवजीराम मीणा, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री शिवजीराम मीणा का जन्म 04 जनवरी, 1950 को भीलवाड़ा जिले के अमरवासी ग्राम में हुआ। आपने एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री शिवजीराम मीणा नौवीं, बारहवीं एवं तेरहवीं राजस्थान विधान सभा में जहाजपुर निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। आप नौवीं विधान सभा में जनता दल तथा बारहवीं एवं तेरहवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप राजकीय उपक्रम समिति, गृह समिति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य रहे।

श्री शिवजीराम मीणा वर्ष 1995 से 2000 तक पंचायत समिति, जहाजपुर के दो बार प्रधान रहे। समाज सेवा में रुचि रखने वाले श्री मीणा अनेक सामाजिक संगठनों से सम्बद्ध रहे।

श्री शिवजीराम मीणा का दिनांक 12 मई, 2021 को निधन हो गया।

चुन्नीलाल धाकड़, श्री, पूर्व राज्य मंत्री

पूर्व सदस्य श्री चुन्नीलाल धाकड़ का जन्म 05 मार्च, 1935 को चित्तौड़गढ़ जिले के राजपुरा ग्राम में हुआ। आपने महाराणा भूपाल कालेज, उदयपुर से बी.एससी. की उपाधि प्राप्त की।

श्री चुन्नीलाल धाकड़ नौवीं, दसवीं तथा बारहवीं राजस्थान विधान सभा में बेगूं निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप याचिका समिति, अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति, पिछड़े वर्ग के कल्याण सम्बन्धी समिति तथा गृह समिति के सदस्य रहे। श्री धाकड़ राज्य सरकार में इंदिरा गांधी नहर परियोजना, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री भी रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री धाकड़ जिला परिषद्, चित्तौड़गढ़ के सदस्य एवं टेलीफोन सलाहकार समिति, चित्तौड़गढ़ के सदस्य रहे। ग्रामोत्थान के लिए समर्पित श्री धाकड़ ने गांवों में जल स्तर को ऊपर उठाने के लिए कई एनिकट बनवाये। आप समाज के विभिन्न संगठनों से भी जुड़े रहे।

श्री चुन्नीलाल धाकड़ का दिनांक 28 जून, 2021 को निधन हो गया।

(श्री अध्यक्ष)

कालूराम यादव, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री कालूराम यादव का जन्म 05 नवम्बर, 1942 को करौली जिले के पीपलहेड़ा ग्राम में हुआ। आपने एम.ए. तथा बी.एड. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री कालूराम यादव बारहवीं राजस्थान विधान सभा में हिण्डौन निर्वाचन क्षेत्र से इण्डियन नेशनल लोकदल के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनुसूचित जाति कल्याण समिति के सदस्य रहे।

श्री कालूराम यादव का दिनांक 06 मई, 2021 को निधन हो गया।

जनार्दन गहलोत, श्री, पूर्व मंत्री

पूर्व सदस्य श्री जनार्दन गहलोत का जन्म 05 अक्टूबर, 1944 को सूरजगढ़ में हुआ। आपने हाई स्कूल तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री जनार्दन गहलोत पांचवीं, सातवीं, नौवीं तथा ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा में इण्डियन नेशनल कांग्रेस के विधायक रहे। आप पांचवीं विधान सभा में गांधी नगर निर्वाचन क्षेत्र तथा सातवीं, नौवीं एवं ग्यारहवीं विधान सभा में करौली निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप विभिन्न समितियों के सदस्य तथा सरकारी आश्वासनों सम्बन्धी समिति के सभापति रहे। आप राज्य सरकार में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भी रहे।

श्री गहलोत वर्ष 1970 में नगर परिषद्, जयपुर के उपाध्यक्ष एवं कार्यवाहक अध्यक्ष रहे। आप राजस्थान भण्डारण निगम के अध्यक्ष भी रहे। खेलकूद को प्रोत्साहित करने वाले श्री गहलोत भारतीय कबड्डी संघ के अध्यक्ष एवं भारतीय ओलम्पिक संघ के उपाध्यक्ष सहित अनेक खेल संगठनों से जुड़े रहे। आप 'जवानों की पुकार' प्रकाशन के सम्पादक भी रहे। 'संघर्ष से शिखर तक' शीर्षक से आपकी आत्मकथा भी प्रकाशित हुई।

श्री जनार्दन गहलोत का दिनांक 29 अप्रैल, 2021 को निधन हो गया।

मांगीलाल मेघवाल, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री मांगीलाल मेघवाल का जन्म 01 दिसम्बर, 1943 को पाली जिले के गरनिया ग्राम में हुआ। आपने हायर सैकण्डरी तक शिक्षा प्राप्त की।

(श्री अध्यक्ष)

श्री मांगीलाल मेघवाल आठवीं, नौवीं तथा दसवीं राजस्थान विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। आप आठवीं एवं नौवीं विधान सभा में पाटन निर्वाचन क्षेत्र तथा दसवीं विधान सभा में केशोरायपाटन निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अनुसूचित जाति कल्याण समिति, नियम समिति तथा महिलाओं एवं बालकों के कल्याण सम्बन्धी समिति के सदस्य रहे।

समाज सेवा में रुचि रखने वाले श्री मेघवाल विधान सभा में अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

श्री मांगीलाल मेघवाल का दिनांक 04 जुलाई, 2021 को निधन हो गया।

नारायण लाल मीणा, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री नारायण लाल मीणा का जन्म 19 मई, 1953 को उदयपुर जिले के गुड़ाखेड़ा ग्राम में हुआ। आपने मैट्रिक तक की शिक्षा प्राप्त की।

श्री नारायण लाल मीणा छठी, नौवीं तथा दसवीं राजस्थान विधान सभा में लसाड़िया निर्वाचन क्षेत्र से निर्चाचित हुए। आप छठी विधान सभा में जनता पार्टी तथा नौवीं एवं दसवीं विधान सभा में भारतीय जनता पार्टी के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण समिति के सदस्य रहे।

श्री मीणा आदिवासियों के उत्थान हेतु समर्पित रहे।

श्री नारायण लाल मीणा का दिनांक 05 मई, 2021 को निधन हो गया।

महाराम चौधरी, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री महाराम चौधरी का जन्म 07 जुलाई, 1931 को नागौर जिले के सिणोद ग्राम में हुआ। आपने बी.ए. एवं एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री महाराम चौधरी सातवीं राजस्थान विधान सभा में नागौर निर्वाचन क्षेत्र से लोकदल के सदस्य रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप प्राक्कलन समिति 'ख', राजकीय उपक्रम समिति तथा विधि एवं न्याय, चुनाव, श्रम एवं संसदीय कार्य विभाग की संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे।

(श्री अध्यक्ष)

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री चौधरी मूण्डवा पंचायत समिति के प्रधान एवं जिला परिषद्, नागौर के सदस्य रहे।

श्री महाराम चौधरी का दिनांक 08 अगस्त, 2021 को निधन हो गया।

सैयद मोहम्मद अयाज महाराज, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री सैयद मोहम्मद अयाज महाराज का जन्म 31 जुलाई, 1954 को अजमेर में हुआ। आपने लोक प्रशासन में डिप्लोमा तथा एम.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री सैयद मोहम्मद अयाज महाराज सातवीं राजस्थान विधान सभा में मसूदा निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस (आई) के विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल के दौरान आप जन लेखा समिति तथा संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य रहे।

श्री अयाज नगर विकास न्यास, अजमेर तथा रेलवे (अजमेर मण्डल) उपयोगकर्ता सलाहकार समिति के सदस्य रहे। धार्मिक समन्वय के लिए प्रयत्नशील रहे श्री अयाज ख्वाजा साहब की दरगाह, अजमेर के महाराज भी रहे।

श्री सैयद मोहम्मद अयाज महाराज का दिनांक 30 मार्च, 2021 को निधन हो गया।

कल्याणमल, श्री, पूर्व सदस्य

पूर्व सदस्य श्री कल्याणमल का जन्म 25 जून, 1937 को भीलवाड़ा जिले के बिजेठा ग्राम में हुआ। आपने मिडल तक शिक्षा प्राप्त की।

श्री कल्याणमल चौथी राजस्थान विधान सभा में जहाजपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे। विधान सभा में आप अपने निर्वाचन क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव प्रयत्नशील रहे।

अपने सार्वजनिक जीवन में श्री कल्याणमल वर्ष 1964 में विकास पंचायत ईट्रण्डा के दो बार सरपंच रहे तथा पंचायत समिति, जहाजपुर के दो बार प्रधान भी रहे।

श्री कल्याणमल का दिनांक 16 मई, 2021 को निधन हो गया।

मैं सदन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से दिवंगतों के प्रति शोक

(श्री अध्यक्ष)

प्रकट करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं तथा दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शान्ति प्रदान करे तथा उनके शोक संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति दे।

जयपुर, धौलपुर एवं कोटा में आकाशीय बिजली गिरने से हुए मृतक

दिनांक 11 जुलाई, 2021 को जयपुर, धौलपुर एवं कोटा में आकाशीय बिजली गिरने से सात बच्चों सहित 18 की मृत्यु हो गयी तथा कई घायल हो गये।

यह सदन इस प्राकृतिक आपदा में मारे गये लोगों के प्रति शोक प्रकट करता है।

माननीय सदस्यगण कृपया दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्माओं की शान्ति के लिए प्रार्थना करें।

(तदनन्तर सदन द्वारा दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।)

सदन की बैठक शुक्रवार, दिनांक 10 सितम्बर 2021 के प्रात: 11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.30 बजे शुक्रवार, दिनांक 10 सितम्बर 2021 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई।)